

Secret Bija Mantras of the Chandī Pathah

वांशला

बीजमन्त्रात्मक तन्त्रदुर्गासप्तशती

गुह्यबीजनामावलि

Bijamantrātmaka Tantra Durgā Saptasatī

Guhyabija Nāmāvali

Swami Satyananda Saraswati

बीजमन्त्रात्क तन्त्रदुर्गासप्तशती गुह्यबीजनामावलि

आदिशक्तये नमः

श्रीतन्त्रदुर्गासप्तशती

विश्वेश्वरीं विश्वमयीं

विरूपामङ्गानहन्त्रीं विमलस्वरूपाम् ।

शशत्प्रसन्नाङ्गरुगावतारान्

तन्त्रस्वरूपाङ्गनमामिदुर्गाम् ॥ १ ॥

चिदानन्दरूपे हरीशदिवन्द्ये

सदामन्दहासे जगद्धीतिनाशे ।

चिदानन्ददेव्यङ्गे तन्त्रस्वरूपेजनं

पाहिदीनन्तुवार्चाविहीनम् ॥ २ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

নজানাতিবিষ্ণুঃশিবোনৈববেত্তিস্বযস্তুঃ

স্বযনৈবজানাতিমাতঃ ।

চরিত্রন্দযাধারিকে তে বিচিত্রক্ৰথনুন্দ

বুদ্ধির্জনঃস্যাৎসমর্থঃ ॥ ৩ ॥

তথাপ্যম্বলোলোপকারাযলোকেচরিত্রং

বদাম্যত্রকিঞ্চিত্প্রসিদ্ধম্ ।

তবপ্রেরণৈবাভবদ্ হেতুভূতামদীযেহৃদজ্ঞে

মহাদেবিদ্বর্গে ॥ ৪ ॥

তন্ত্ররূপং রাত্রিসূক্তম্

1. ওঁ ঐং ক্লং নমঃ
2. ওঁ ঐং ঠাং নমঃ
3. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
4. ওঁ ঐং স্রাং নমঃ
5. ওঁ ঐং স্ক্রং নমঃ
6. ওঁ ঐং ক্রৈং নমঃ
7. ওঁ ঐং ত্রাং নমঃ
8. ওঁ ঐং ফ্রাং নমঃ
9. ওঁ ঐং জীং নমঃ
10. ওঁ ঐং লুং নমঃ
11. ওঁ ঐং স্ক্রং নমঃ
12. ওঁ ঐং নোং নমঃ
13. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
14. ওঁ ঐং প্রং নমঃ

15. ॐ ऎं ऋं नमः
16. ॐ ऎं जां नमः
17. ॐ ऎं वौं नमः
18. ॐ ऎं ओं नमः

इति तन्त्ररूपं रात्रिसूक्तम्

ॐ ऎं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विष्टे

ॐ बीजत्रयायैविद्महे तत्प्रधानायैधीमहि

तन्नः शक्तिः प्राचोदयात्

অথ প্রথমোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
2. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
3. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
4. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
5. ওঁ ঐং প্রীং নমঃ
6. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
7. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
8. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
9. ওঁ ঐং প্রেং নমঃ
10. ওঁ ঐং স্রীং নমঃ
11. ওঁ ঐং স্রীং নমঃ
12. ওঁ ঐং স্রীং নমঃ
13. ওঁ ঐং স্রীং নমঃ
14. ওঁ ঐং ক্রাং নমঃ

15. ওঁ ঐং হ্ৰীং নমঃ
16. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
17. ওঁ ঐং চাং নমঃ
18. ওঁ ঐং মেং নমঃ
19. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
20. ওঁ ঐং বৈং নমঃ
21. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
22. ওঁ ঐং য়ুং নমঃ
23. ওঁ ঐং জুং নমঃ
24. ওঁ ঐং হং নমঃ
25. ওঁ ঐং শং নমঃ
26. ওঁ ঐং রৌং নমঃ
27. ওঁ ঐং যং নমঃ
28. ওঁ ঐং বিং নমঃ
29. ওঁ ঐং বৈং নমঃ
30. ওঁ ঐং চেং নমঃ

31. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
32. ওঁ ঐং ক্রং নমঃ
33. ওঁ ঐং সং নমঃ
34. ওঁ ঐং কং নমঃ
35. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
36. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
37. ওঁ ঐং জ্বাং নমঃ
38. ওঁ ঐং জ্যৈং নমঃ
39. ওঁ ঐং রৌং নমঃ
40. ওঁ ঐং দ্রাং নমঃ
41. ওঁ ঐং দ্রৌং নমঃ
42. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
43. ওঁ ঐং দ্রং নমঃ
44. ওঁ ঐং শাং নমঃ
45. ওঁ ঐং মীং নমঃ
46. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ

47. ওঁ ঐং জুং নমঃ
48. ওঁ ঐং হ্রুং নমঃ
49. ওঁ ঐং শ্ৰুং নমঃ
50. ওঁ ঐং প্রীং নমঃ
51. ওঁ ঐং রং নমঃ
52. ওঁ ঐং বং নমঃ
53. ওঁ ঐং ব্রীং নমঃ
54. ওঁ ঐং ব্লং নমঃ
55. ওঁ ঐং স্ত্রীং নমঃ
56. ওঁ ঐং ল্মাং নমঃ
57. ওঁ ঐং লুং নমঃ
58. ওঁ ঐং সাং নমঃ
59. ওঁ ঐং রৌং নমঃ
60. ওঁ ঐং স্বেহীং নমঃ
61. ওঁ ঐং কুং নমঃ
62. ওঁ ঐং শৌং নমঃ

63. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
64. ওঁ ঐং বং নমঃ
65. ওঁ ঐং দ্রং নমঃ
66. ওঁ ঐং ক্রৌং নমঃ
67. ওঁ ঐং ক্লং নমঃ
68. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
69. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
70. ওঁ ঐং ক্লং নমঃ
71. ওঁ ঐং ঠাং নমঃ
72. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
73. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
74. ওঁ ঐং স্লং নমঃ
75. ওঁ ঐং ক্রৈং নমঃ
76. ওঁ ঐং ত্রাং নমঃ
77. ওঁ ঐং ফ্রাং নমঃ
78. ওঁ ঐং জীং নমঃ

79. ॐ ईं लूं नमः
80. ॐ ईं स्लूं नमः
81. ॐ ईं नों नमः
82. ॐ ईं स्त्रीं नमः
83. ॐ ईं फूं नमः
84. ॐ ईं सूं नमः
85. ॐ ईं जूं नमः
86. ॐ ईं बों नमः
87. ॐ ईं ओं नमः
88. ॐ ईं श्रौं नमः
89. ॐ ईं ऋं नमः
90. ॐ ईं रूं नमः
91. ॐ ईं क्लीं नमः
92. ॐ ईं हूं नमः
93. ॐ ईं ह्रीं नमः
94. ॐ ईं गूं नमः

95. ॐ एँ लां नमः

96. ॐ एँ ह्रां नमः

97. ॐ एँ गं नमः

98. ॐ एँ एँ नमः

99. ॐ एँ श्रौं नमः

100. ॐ एँ जूं नमः

101. ॐ एँ डेँ नमः

102. ॐ एँ श्रौं नमः

103. ॐ एँ छां नमः

104. ॐ एँ क्लीं नमः

ॐ श्रीं क्लीं ह्रीं ह्रीं फट् स्वाहा

इति प्रथमोऽध्यायः

অথ দ্বিতীয়োহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
3. ওঁ ঐং হ্‌সুং নমঃ
4. ওঁ ঐং হৌং নমঃ
5. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
6. ওঁ ঐং অং নমঃ
7. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
8. ওঁ ঐং চাং নমঃ
9. ওঁ ঐং মুং নমঃ
10. ওঁ ঐং ডাং নমঃ
11. ওঁ ঐং য়েং নমঃ
12. ওঁ ঐং বিং নমঃ
13. ওঁ ঐং চেং নমঃ
14. ওঁ ঐং ঙ্গং নমঃ

15. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
16. ওঁ ঐং ব্রাং নমঃ
17. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
18. ওঁ ঐং লুং নমঃ
19. ওঁ ঐং বং নমঃ
20. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
21. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
22. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
23. ওঁ ঐং যং নমঃ
24. ওঁ ঐং ঐং নমঃ
25. ওঁ ঐং মুং নমঃ
26. ওঁ ঐং সঃ নমঃ
27. ওঁ ঐং হং নমঃ
28. ওঁ ঐং সং নমঃ
29. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
30. ওঁ ঐং শং নমঃ

31. ওঁ ঐং হং নমঃ
32. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
33. ওঁ ঐং শ্লীং নমঃ
34. ওঁ ঐং য়ুং নমঃ
35. ওঁ ঐং ক্রং নমঃ
36. ওঁ ঐং স্ত্রীং নমঃ
37. ওঁ ঐং আং নমঃ
38. ওঁ ঐং প্রেং নমঃ
39. ওঁ ঐং শং নমঃ
40. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
41. ওঁ ঐং স্মুং নমঃ
42. ওঁ ঐং উং নমঃ
43. ওঁ ঐং গ্গং নমঃ
44. ওঁ ঐং ব্যং নমঃ
45. ওঁ ঐং হ্রং নমঃ
46. ওঁ ঐং ভৈং নমঃ

47. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
48. ওঁ ঐং ক্রুং নমঃ
49. ওঁ ঐং মূং নমঃ
50. ওঁ ঐং লীং নমঃ
51. ওঁ ঐং শ্রাং নমঃ
52. ওঁ ঐং দ্রাং নমঃ
53. ওঁ ঐং হ্রুং নমঃ
54. ওঁ ঐং হ্ৰেঁসাঁং নমঃ
55. ওঁ ঐং ক্রাং নমঃ
56. ওঁ ঐং স্বেহাঁং নমঃ
57. ওঁ ঐং স্লুং নমঃ
58. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
59. ওঁ ঐং গৈং নমঃ
60. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
61. ওঁ ঐং ত্রীং নমঃ
62. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ

63. ওঁ ঐং ফ্রোং নমঃ

64. ওঁ ঐং ফ্রৈং নমঃ

65. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ

66. ওঁ ঐং শাং নমঃ

67. ওঁ ঐং ক্ষ্ম্রিং নমঃ

68. ওঁ ঐং রৌং নমঃ

69. ওঁ ঐং ঙুং নমঃ

ওঁ ঐং ক্রীং ক্রাং সৌং সঃ ফট্ স্বাহা

ইতি দ্বিতীয়োহধ্যায়ঃ

অথ তৃতীয়োহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
3. ওঁ ঐং সাং নমঃ
4. ওঁ ঐং ত্রোং নমঃ
5. ওঁ ঐং প্ৰং নমঃ
6. ওঁ ঐং গ্লৌং নমঃ
7. ওঁ ঐং ক্রৌং নমঃ
8. ওঁ ঐং ব্রীং নমঃ
9. ওঁ ঐং স্লীং নমঃ
10. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
11. ওঁ ঐং হৌং নমঃ
12. ওঁ ঐং শ্রাং নমঃ
13. ওঁ ঐং গ্রীং নমঃ
14. ওঁ ঐং ক্রুং নমঃ

15. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
16. ওঁ ঐং যাং নমঃ
17. ওঁ ঐং দলুং নমঃ
18. ওঁ ঐং দ্রাং নমঃ
19. ওঁ ঐং ক্ষং নমঃ
20. ওঁ ঐং ওং নমঃ
21. ওঁ ঐং ক্রৌং নমঃ
22. ওঁ ঐং ক্ষ্মুক্ৰীং নমঃ
23. ওঁ ঐং বাং নমঃ
24. ওঁ ঐং শ্রাং নমঃ
25. ওঁ ঐং গ্লং নমঃ
26. ওঁ ঐং লীং নমঃ
27. ওঁ ঐং প্রেং নমঃ
28. ওঁ ঐং হ্রং নমঃ
29. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
30. ওঁ ঐং দেং নমঃ

31. ওঁ ঐং নুং নমঃ
32. ওঁ ঐং আং নমঃ
33. ওঁ ঐং ফ্রাং নমঃ
34. ওঁ ঐং প্রীং নমঃ
35. ওঁ ঐং দং নমঃ
36. ওঁ ঐং ফ্রীং নমঃ
37. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
38. ওঁ ঐং গং নমঃ
39. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
40. ওঁ ঐং সাং নমঃ
41. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
42. ওঁ ঐং জুং নমঃ
43. ওঁ ঐং হং নমঃ
44. ওঁ ঐং সং নমঃ

ওঁ হ্রীং শ্রীং কুং ফট্ স্বাহা

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শনসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

ঐতি তৃতীয়োধ্যায়ঃ

অথ চতুর্থোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
3. ওঁ ঐং দীং নমঃ
4. ওঁ ঐং প্রেং নমঃ
5. ওঁ ঐং যাং নমঃ
6. ওঁ ঐং রুং নমঃ
7. ওঁ ঐং মং নমঃ
8. ওঁ ঐং সুং নমঃ
9. ওঁ ঐং শ্রাং নমঃ
10. ওঁ ঐং ঔং নমঃ
11. ওঁ ঐং লুং নমঃ
12. ওঁ ঐং ডুং নমঃ
13. ওঁ ঐং জুং নমঃ
14. ওঁ ঐং ধুং নমঃ

15. ওঁ ঐং ত্রেং নমঃ
16. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
17. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
18. ওঁ ঐং ঙ্গং নমঃ
19. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
20. ওঁ ঐং হ্রুং নমঃ
21. ওঁ ঐং ক্লুং নমঃ
22. ওঁ ঐং ক্রাং নমঃ
23. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
24. ওঁ ঐং ফ্রেং নমঃ
25. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
26. ওঁ ঐং শ্লুং নমঃ
27. ওঁ ঐং শ্বেং নমঃ
28. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
29. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
30. ওঁ ঐং ব্রীং নমঃ

31. ॐ एं ह्रीं नमः
32. ॐ एं त्रौं नमः
33. ॐ एं हेल्लौं नमः
34. ॐ एं गीं नमः
35. ॐ एं यूं नमः
36. ॐ एं ह्लीं नमः
37. ॐ एं ह्लूं नमः
38. ॐ एं श्रौं नमः
39. ॐ एं ओं नमः
40. ॐ एं अं नमः
41. ॐ एं स्नेहौं नमः
42. ॐ एं प्रीं नमः

ॐ अं ह्रीं श्रीं हंसः फट् स्वाहा

इति चतुर्थोऽध्यायः

অথ পঞ্চমোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং প্রীং নমঃ
3. ওঁ ঐং ওং নমঃ
4. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
5. ওঁ ঐং ল্রীং নমঃ
6. ওঁ ঐং ত্রোং নমঃ
7. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
8. ওঁ ঐং হ্ৰেসাঁং নমঃ
9. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
10. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
11. ওঁ ঐং হ্রং নমঃ
12. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
13. ওঁ ঐং রৌং নমঃ
14. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ

15. ॐ एँ म्लीं नमः
16. ॐ एँ प्लं नमः
17. ॐ एँ स्नेहं नमः
18. ॐ एँ त्रीं नमः
19. ॐ एँ प्लं नमः
20. ॐ एँ व्रीं नमः
21. ॐ एँ सौं नमः
22. ॐ एँ लूं नमः
23. ॐ एँ ल्लूं नमः
24. ॐ एँ द्रां नमः
25. ॐ एँ त्रां नमः
26. ॐ एँ ऋं नमः
27. ॐ एँ ग्लौं नमः
28. ॐ एँ क्लं नमः
29. ॐ एँ वूं नमः
30. ॐ एँ स्क्लूं नमः

31. ওঁ ঐং ক্রৌং নমঃ
32. ওঁ ঐং ছ্রীং নমঃ
33. ওঁ ঐং শ্লুং নমঃ
34. ওঁ ঐং ক্লুং নমঃ
35. ওঁ ঐং শাং নমঃ
36. ওঁ ঐং ল্হীং নমঃ
37. ওঁ ঐং জ্বুং নমঃ
38. ওঁ ঐং ল্লীং নমঃ
39. ওঁ ঐং লীং নমঃ
40. ওঁ ঐং সং নমঃ
41. ওঁ ঐং লুং নমঃ
42. ওঁ ঐং হ্‌সুং নমঃ
43. ওঁ ঐং শ্‌দং নমঃ
44. ওঁ ঐং জুং নমঃ
45. ওঁ ঐং হ্‌স্লীং নমঃ
46. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ

47. ওঁ ঐং ক্লাং নমঃ
48. ওঁ ঐং শ্ৰং নমঃ
49. ওঁ ঐং হং নমঃ
50. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
51. ওঁ ঐং কঙ্কুং নমঃ
52. ওঁ ঐং দ্রৌং নমঃ
53. ওঁ ঐং ক্লুং নমঃ
54. ওঁ ঐং গাং নমঃ
55. ওঁ ঐং সং নমঃ
56. ওঁ ঐং ল্জ্জাং নমঃ
57. ওঁ ঐং ফ্রীং নমঃ
58. ওঁ ঐং স্লাং নমঃ
59. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
60. ওঁ ঐং ফ্রেং নমঃ
61. ওঁ ঐং ওং নমঃ
62. ওঁ ঐং স্মীং নমঃ

63. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
64. ওঁ ঐং ওঁ নমঃ
65. ওঁ ঐং হ্লুং নমঃ
66. ওঁ ঐং হ্রাঁ নমঃ
67. ওঁ ঐং নং নমঃ
68. ওঁ ঐং ক্রাং নমঃ
69. ওঁ ঐং বং নমঃ
70. ওঁ ঐং মং নমঃ
71. ওঁ ঐং ম্বলীং নমঃ
72. ওঁ ঐং শাং নমঃ
73. ওঁ ঐং লং নমঃ
74. ওঁ ঐং ভৈং নমঃ
75. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
76. ওঁ ঐং হৌং নমঃ
77. ওঁ ঐং ঙ্গং নমঃ
78. ওঁ ঐং চেং নমঃ

79. ॐ एं क्लीं नमः
80. ॐ एं ह्लीं नमः
81. ॐ एं म्लीं नमः
82. ॐ एं पूं नमः
83. ॐ एं श्रौं नमः
84. ॐ एं ह्रौं नमः
85. ॐ एं क्रं नमः
86. ॐ एं क्लीं नमः
87. ॐ एं आं नमः
88. ॐ एं क्लूं नमः
89. ॐ एं क्रं नमः
90. ॐ एं डूं नमः
91. ॐ एं जां नमः
92. ॐ एं ह्रूं नमः
93. ॐ एं फ्रौं नमः
94. ॐ एं क्रौं नमः

95. ওঁ ঐং কিং নমঃ
96. ওঁ ঐং গ্লং নমঃ
97. ওঁ ঐং ছুল্লীং নমঃ
98. ওঁ ঐং রং নমঃ
99. ওঁ ঐং ক্রৈং নমঃ
100. ওঁ ঐং স্হং নমঃ
101. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
102. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
103. ওঁ ঐং ওং নমঃ
104. ওঁ ঐং লুং নমঃ
105. ওঁ ঐং ল্হং নমঃ
106. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
107. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
108. ওঁ ঐং স্লেস্ত্রীং নমঃ
109. ওঁ ঐং স্দ্ৰং নমঃ
110. ওঁ ঐং স্ফুল্লীং নমঃ

111. ॐ एं व्रीं नमः
112. ॐ एं सीं नमः
113. ॐ एं डूं नमः
114. ॐ एं लां नमः
115. ॐ एं श्रौं नमः
116. ॐ एं सैहं नमः
117. ॐ एं ह्रीं नमः
118. ॐ एं श्रीं नमः
119. ॐ एं फ्रें नमः
120. ॐ एं रूं नमः
121. ॐ एं छूं नमः
122. ॐ एं ल्हं नमः
123. ॐ एं कं नमः
124. ॐ एं द्रें नमः
125. ॐ एं श्रीं नमः
126. ॐ एं सां नमः

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শনসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

127. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ

128. ওঁ ঐং ঐং নমঃ

129. ওঁ ঐং স্ক্রীং নমঃ

ওং ঐং হ্রীং স্ক্রীং চামুণ্ডায়ৈ বিদে স্বাহা

ইতি পঞ্চমোহধ্যায়ঃ

অথ ষষ্ঠোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং ওং নমঃ
3. ওঁ ঐং ক্রং নমঃ
4. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
5. ওঁ ঐং ক্রৌং নমঃ
6. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
7. ওঁ ঐং ত্রীং নমঃ
8. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
9. ওঁ ঐং প্রীং নমঃ
10. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
11. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
12. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
13. ওঁ ঐং ঐং নমঃ
14. ওঁ ঐং ওং নমঃ

15. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
16. ওঁ ঐং ক্রাং নমঃ
17. ওঁ ঐং হ্রং নমঃ
18. ওঁ ঐং ছ্রাং নমঃ
19. ওঁ ঐং ক্ষ্ম্‌ক্রীং নমঃ
20. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
21. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
22. ওঁ ঐং হ্লৌং নমঃ
23. ওঁ ঐং ক্রুং নমঃ
24. ওঁ ঐং সৌং নমঃ

ওঁ শ্রীং যং হ্রীং ক্লীং হ্রীং ফট্‌ স্বাহা

ইতি ষষ্ঠোহধ্যায়ঃ

অথ সপ্তমোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং কুং নমঃ
3. ওঁ ঐং শ্লীং নমঃ
4. ওঁ ঐং হ্রং নমঃ
5. ওঁ ঐং মুং নমঃ
6. ওঁ ঐং ত্রৌং নমঃ
7. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
8. ওঁ ঐং ওং নমঃ
9. ওঁ ঐং হ্‌সুং নমঃ
10. ওঁ ঐং ক্লুং নমঃ
11. ওঁ ঐং ক্রেং নমঃ
12. ওঁ ঐং নেং নমঃ
13. ওঁ ঐং লুং নমঃ
14. ওঁ ঐং হ্‌স্লীং নমঃ

15. ওঁ ঐং প্লং নমঃ
16. ওঁ ঐং শাং নমঃ
17. ওঁ ঐং স্লং নমঃ
18. ওঁ ঐং প্লীং নমঃ
19. ওঁ ঐং প্রেং নমঃ
20. ওঁ ঐং অং নমঃ
21. ওঁ ঐং ঔং নমঃ
22. ওঁ ঐং ম্লীং নমঃ
23. ওঁ ঐং শ্রাং নমঃ
24. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
25. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
26. ওঁ ঐং প্রীং নমঃ
27. ওঁ ঐং হ্ৰস্বীং নমঃ

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শনসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

ওঁ রং রং রং কং কং কং জং জং জং

চামুণ্ডায়ৈ ফট্ স্বাহা

ইতি সপ্তমোধ্যায়ঃ

অথাষ্টমোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং ম্হলীং নমঃ
3. ওঁ ঐং প্ৰং নমঃ
4. ওঁ ঐং ঐং নমঃ
5. ওঁ ঐং ক্রোং নমঃ
6. ওঁ ঐং ঙ্গং নমঃ
7. ওঁ ঐং ঐং নমঃ
8. ওঁ ঐং লীং নমঃ
9. ওঁ ঐং ফ্রোং নমঃ
10. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
11. ওঁ ঐং নোং নমঃ
12. ওঁ ঐং হ্ৰং নমঃ
13. ওঁ ঐং ফ্রোং নমঃ
14. ওঁ ঐং গ্লৌং নমঃ

15. ওঁ ঐং স্মোং নমঃ
16. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
17. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
18. ওঁ ঐং স্বেহোং নমঃ
19. ওঁ ঐং খেসং নমঃ
20. ওঁ ঐং ক্ষ্মীং নমঃ
21. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
22. ওঁ ঐং বীং নমঃ
23. ওঁ ঐং লুং নমঃ
24. ওঁ ঐং ল্সীং নমঃ
25. ওঁ ঐং ল্লীং নমঃ
26. ওঁ ঐং ত্বেস্রাং নমঃ
27. ওঁ ঐং ক্রং নমঃ
28. ওঁ ঐং শ্কীং নমঃ
29. ওঁ ঐং শ্রং নমঃ
30. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ

31. ওঁ ঐং শীং নমঃ
32. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
33. ওঁ ঐং ক্লৌং নমঃ
34. ওঁ ঐং তীং নমঃ
35. ওঁ ঐং হুং নমঃ
36. ওঁ ঐং ক্লুং নমঃ
37. ওঁ ঐং তাং নমঃ
38. ওঁ ঐং ম্লুং নমঃ
39. ওঁ ঐং হং নমঃ
40. ওঁ ঐং স্লুং নমঃ
41. ওঁ ঐং ঔং নমঃ
42. ওঁ ঐং ল্হাং নমঃ
43. ওঁ ঐং শ্লীং নমঃ
44. ওঁ ঐং যাং নমঃ
45. ওঁ ঐং থ্লীং নমঃ
46. ওঁ ঐং ল্হাং নমঃ

47. ওঁ ঐং গ্লৌং নমঃ
48. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
49. ওঁ ঐং প্রাং নমঃ
50. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
51. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
52. ওঁ ঐং ন্স্ৰং নমঃ
53. ওঁ ঐং হীং নমঃ
54. ওঁ ঐং হ্লৌং নমঃ
55. ওঁ ঐং হ্রৈং নমঃ
56. ওঁ ঐং ব্রং নমঃ
57. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
58. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
59. ওঁ ঐং স্পূং নমঃ
60. ওঁ ঐং দ্রৌং নমঃ
61. ওঁ ঐং স্প্রাং নমঃ
62. ওঁ ঐং হ্স্রীং নমঃ

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

63. ওঁ ঐং স্লীং নমঃ

ওঁ শাং সং শ্রীং শ্রং অং অঃ ক্লীং হীং ফট্ স্বাহা

ইত্যষ্টমোহধ্যায়ঃ

অথ নবমোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
3. ওঁ ঐং ম্লৌং নমঃ
4. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
5. ওঁ ঐং গ্লীং নমঃ
6. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
7. ওঁ ঐং হ্ৰৌং নমঃ
8. ওঁ ঐং ঙ্গং নমঃ
9. ওঁ ঐং ব্রং নমঃ
10. ওঁ ঐং শ্রাং নমঃ
11. ওঁ ঐং লুং নমঃ
12. ওঁ ঐং আং নমঃ
13. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
14. ওঁ ঐং ক্রৌং নমঃ

15. ওঁ ঐং প্রং নমঃ
16. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
17. ওঁ ঐং দ্রং নমঃ
18. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
19. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
20. ওঁ ঐং স্লীং নমঃ
21. ওঁ ঐং গ্লৌং নমঃ
22. ওঁ ঐং হ্‌সুং নমঃ
23. ওঁ ঐং স্লীং নমঃ
24. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
25. ওঁ ঐং হ্‌স্রাং নমঃ
26. ওঁ ঐং স্‌হৌং নমঃ
27. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
28. ওঁ ঐং ক্স্লীং নমঃ
29. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
30. ওঁ ঐং স্ত্রং নমঃ

31. ওঁ ঐং ছেং নমঃ
32. ওঁ ঐং বীং নমঃ
33. ওঁ ঐং ক্ষলুং নমঃ
34. ওঁ ঐং শ্লং নমঃ
35. ওঁ ঐং ক্রুং নমঃ
36. ওঁ ঐং ক্রাং নমঃ
37. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
38. ওঁ ঐং ক্রাং নমঃ
39. ওঁ ঐং স্ক্ফলীং নমঃ
40. ওঁ ঐং সুং নমঃ
41. ওঁ ঐং ফ্রুং নমঃ

ওঁ ঐং হ্রীং শ্রীং সৌং ফট্ স্বাহা

ইতি নবমোহধ্যায়ঃ

অথ দশমোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
3. ওঁ ঐং ক্লং নমঃ
4. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
5. ওঁ ঐং ম্লং নমঃ
6. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
7. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
8. ওঁ ঐং গ্লীং নমঃ
9. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
10. ওঁ ঐং ধ্রং নমঃ
11. ওঁ ঐং ছং নমঃ
12. ওঁ ঐং দ্রৌং নমঃ
13. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
14. ওঁ ঐং ক্রং নমঃ

15. ॐ ँं क्रं नमः
16. ॐ ँं फ्रें नमः
17. ॐ ँं ह्रां नमः
18. ॐ ँं जूं नमः
19. ॐ ँं ज्ञेां नमः
20. ॐ ँं स्लां नमः
21. ॐ ँं प्रेां नमः
22. ॐ ँं ह्स्वां नमः
23. ॐ ँं प्रीं नमः
24. ॐ ँं फ्रां नमः
25. ॐ ँं क्रीं नमः
26. ॐ ँं श्रीं नमः
27. ॐ ँं क्रां नमः
28. ॐ ँं सः नमः
29. ॐ ँं क्लीं नमः
30. ॐ ँं ब्रें नमः

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শনসংগ্ৰহীণী গুহ্যবীজনামাবলি

31. ওঁ ঐং ঙ্গং নমঃ

32. ওঁ ঐং জ্জ্বলীং নমঃ

ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ ক্লীং হ্রীং ফট্ স্বাহা

ইতি দশমোহধ্যায়ঃ

অথ একাদশোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং ব্রুং নমঃ
3. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
4. ওঁ ঐং ল্লীং নমঃ
5. ওঁ ঐং প্রেং নমঃ
6. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
7. ওঁ ঐং স্বেহাং নমঃ
8. ওঁ ঐং শ্রুং নমঃ
9. ওঁ ঐং ল্লীং নমঃ
10. ওঁ ঐং স্ক্লীং নমঃ
11. ওঁ ঐং প্রীং নমঃ
12. ওঁ ঐং গ্লৌং নমঃ
13. ওঁ ঐং হ্‌স্বহ্রীং নমঃ
14. ওঁ ঐং স্তৌং নমঃ

15. ॐ एँ लीं नमः
16. ॐ एँ म्लीं नमः
17. ॐ एँ स्तं नमः
18. ॐ एँ ज्स्त्रीं नमः
19. ॐ एँ फ्रूं नमः
20. ॐ एँ ब्रूं नमः
21. ॐ एँ ह्रीं नमः
22. ॐ एँ ब्लूं नमः
23. ॐ एँ स्फ्रिं नमः
24. ॐ एँ श्रं नमः
25. ॐ एँ ईं नमः
26. ॐ एँ जूं नमः
27. ॐ एँ त्रैं नमः
28. ॐ एँ द्रं नमः
29. ॐ एँ ह्रौं नमः
30. ॐ एँ क्लीं नमः

31. ওঁ ঐং সুং নমঃ
32. ওঁ ঐং হৌং নমঃ
33. ওঁ ঐং শ্রুং নমঃ
34. ওঁ ঐং ক্রুং নমঃ
35. ওঁ ঐং ফাং নমঃ
36. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
37. ওঁ ঐং লং নমঃ
38. ওঁ ঐং হ্ৰৌং নমঃ
39. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
40. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
41. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
42. ওঁ ঐং বিং নমঃ
43. ওঁ ঐং প্লীং নমঃ
44. ওঁ ঐং ঞ্ক্ষ্ম্লীং নমঃ
45. ওঁ ঐং ত্ৰাং নমঃ
46. ওঁ ঐং প্রং নমঃ

47. ওঁ ঐং স্লীং নমঃ

48. ওঁ ঐং স্কুং নমঃ

49. ওঁ ঐং স্ফাং নমঃ

50. ওঁ ঐং স্ক্রং নমঃ

51. ওঁ ঐং স্হীং নমঃ

52. ওঁ ঐং থ্‌প্ৰীং নমঃ

53. ওঁ ঐং ক্রৌং নমঃ

54. ওঁ ঐং শ্রাং নমঃ

55. ওঁ ঐং স্লীং নমঃ

ওঁ ঐং হ্রীং ক্লীং শ্রীং সৌং নমঃ ফট্‌ স্বাহা

ইত্যেকাদশোহধ্যায়ঃ

অথ দ্বাদশোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
2. ওঁ ঐং ওং নমঃ
3. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
4. ওঁ ঐং ঙং নমঃ
5. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
6. ওঁ ঐং ক্রুং নমঃ
7. ওঁ ঐং শ্রং নমঃ
8. ওঁ ঐং প্রাং নমঃ
9. ওঁ ঐং ক্রুং নমঃ
10. ওঁ ঐং দিং নমঃ
11. ওঁ ঐং ফ্রেং নমঃ
12. ওঁ ঐং হং নমঃ
13. ওঁ ঐং সঃ নমঃ
14. ওঁ ঐং চেং নমঃ

15. ॐ ईं सूं नमः
16. ॐ ईं प्रीं नमः
17. ॐ ईं क्लं नमः
18. ॐ ईं आं नमः
19. ॐ ईं उं नमः
20. ॐ ईं ह्रीं नमः
21. ॐ ईं क्रीं नमः
22. ॐ ईं द्रां नमः
23. ॐ ईं श्रीं नमः
24. ॐ ईं स्त्रीं नमः
25. ॐ ईं क्लीं नमः
26. ॐ ईं स्लं नमः
27. ॐ ईं ह्रीं नमः
28. ॐ ईं व्लीं नमः
29. ॐ ईं त्रों नमः
30. ॐ ईं उं नमः

31. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
32. ওঁ ঐং ঐং নমঃ
33. ওঁ ঐং প্রেং নমঃ
34. ওঁ ঐং দ্রাং নমঃ
35. ওঁ ঐং ক্লুং নমঃ
36. ওঁ ঐং ঔং নমঃ
37. ওঁ ঐং সুং নমঃ
38. ওঁ ঐং চেং নমঃ
39. ওঁ ঐং হুং নমঃ
40. ওঁ ঐং প্লীং নমঃ
41. ওঁ ঐং ক্ষাং নমঃ

ওঁ যং যং যং রং রং রং ঠং ঠং ঠং ফট্ স্বাহা

ইতি দ্বাদশোহধ্যায়ঃ

অথ ত্রয়োদশোহধ্যায়ঃ

1. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
2. ওঁ ঐং ব্রীং নমঃ
3. ওঁ ঐং ওং নমঃ
4. ওঁ ঐং ওঁং নমঃ
5. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
6. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
7. ওঁ ঐং শ্রাং নমঃ
8. ওঁ ঐং ওং নমঃ
9. ওঁ ঐং প্লীং নমঃ
10. ওঁ ঐং সৌং নমঃ
11. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
12. ওঁ ঐং ক্রীং নমঃ
13. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
14. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ

15. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
16. ওঁ ঐং প্লীং নমঃ
17. ওঁ ঐং শ্রীং নমঃ
18. ওঁ ঐং ল্লীং নমঃ
19. ওঁ ঐং শ্ৰং নমঃ
20. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
21. ওঁ ঐং দ্রং নমঃ
22. ওঁ ঐং হ্রীং নমঃ
23. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
24. ওঁ ঐং প্ৰীং নমঃ
25. ওঁ ঐং ওঁ নমঃ
26. ওঁ ঐং সুং নমঃ
27. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
28. ওঁ ঐং ষৌং নমঃ
29. ওঁ ঐং আং ক্লরীং নমঃ
30. ওঁ ঐং ওং নমঃ

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদ্বর্গাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

ঐং হ্রীং ক্লীং চামুণ্ডায়ৈ বিচে

ইতি ত্রয়োদশোহধ্যায়ঃ

ইতি তন্ত্ররূপেণপরিণতা

শ্রীতন্ত্রদ্বর্গাসপ্তশতী সমাপ্ত

तन्त्ररूपन्देवी सूक्तम्

1. ॐ एं हेसां नमः
2. ॐ एं ह्रीं नमः
3. ॐ एं श्रीं नमः
4. ॐ एं ह्रं नमः
5. ॐ एं क्लीं नमः
6. ॐ एं रौं नमः
7. ॐ एं स्त्रीं नमः
8. ॐ एं म्लीं नमः
9. ॐ एं प्लं नमः
10. ॐ एं स्नेहं नमः
11. ॐ एं क्लीं नमः
12. ॐ एं प्लं नमः
13. ॐ एं व्रीं नमः
14. ॐ एं सौं नमः

15. ॐ ईं लूं नमः
16. ॐ ईं ल्लूं नमः
17. ॐ ईं द्रां नमः
18. ॐ ईं क्रां नमः
19. ॐ ईं ऋं नमः
20. ॐ ईं ग्लूं नमः
21. ॐ ईं ऋं नमः
22. ॐ ईं द्रां नमः
23. ॐ ईं ऋं नमः
24. ॐ ईं क्रूं नमः
25. ॐ ईं श्रूं नमः
26. ॐ ईं म्लूं नमः
27. ॐ ईं ऋं नमः
28. ॐ ईं शां नमः
29. ॐ ईं ल्हीं नमः
30. ॐ ईं ऋं नमः

31. ওঁ ঐং ল্লীং নমঃ
32. ওঁ ঐং লীং নমঃ
33. ওঁ ঐং সং নমঃ
34. ওঁ ঐং লুং নমঃ
35. ওঁ ঐং হ্‌সুং নমঃ
36. ওঁ ঐং শ্ৰং নমঃ
37. ওঁ ঐং জুং নমঃ
38. ওঁ ঐং হ্‌স্‌লীং নমঃ
39. ওঁ ঐং ক্লীং নমঃ
40. ওঁ ঐং ক্লাং নমঃ
41. ওঁ ঐং শ্ৰং নমঃ
42. ওঁ ঐং হং নমঃ
43. ওঁ ঐং হ্লীং নমঃ
44. ওঁ ঐং ক্‌ক্ষং নমঃ
45. ওঁ ঐং দ্রৌং নমঃ
46. ওঁ ঐং ক্লুং নমঃ

47. ওঁ ঐং গাং নমঃ
48. ওঁ ঐং সং নমঃ
49. ওঁ ঐং ল্স্রাং নমঃ
50. ওঁ ঐং ফ্রীং নমঃ
51. ওঁ ঐং স্লাং নমঃ
52. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
53. ওঁ ঐং ফ্রেং নমঃ
54. ওঁ ঐং ওং নমঃ
55. ওঁ ঐং স্মীং নমঃ
56. ওঁ ঐং হ্রাং নমঃ
57. ওঁ ঐং ওঁ নমঃ
58. ওঁ ঐং হ্লুং নমঃ
59. ওঁ ঐং হ্রং নমঃ
60. ওঁ ঐং নং নমঃ
61. ওঁ ঐং স্রাং নমঃ
62. ওঁ ঐং বং নমঃ

63. ওঁ ঐং মং নমঃ
64. ওঁ ঐং স্ক্ৰীং নমঃ
65. ওঁ ঐং শাং নমঃ
66. ওঁ ঐং লং নমঃ
67. ওঁ ঐং ভৌং নমঃ
68. ওঁ ঐং ল্লুং নমঃ
69. ওঁ ঐং হৌং নমঃ
70. ওঁ ঐং ঙ্গং নমঃ
71. ওঁ ঐং চেং নমঃ
72. ওঁ ঐং ঙ্ক্ৰীং নমঃ
73. ওঁ ঐং ল্লুরিং নমঃ
74. ওঁ ঐং স্ক্ৰুলীং নমঃ
75. ওঁ ঐং পুং নমঃ
76. ওঁ ঐং শ্রৌং নমঃ
77. ওঁ ঐং হ্রৌং নমঃ
78. ওঁ ঐং দ্রং নমঃ

79. ওঁ ঐং কক্ষীং নমঃ

80. ওঁ ঐং আং নমঃ

81. ওঁ ঐং ক্রুং নমঃ

82. ওঁ ঐং ক্রাং নমঃ

ইতি তন্ত্ররূপন্দেবীসূক্তম্

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদুর্গাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

হরিবিরঞ্চিমহেশ্বরপূজিতাম্
ভগবতীঞ্জনদুর্গতিহারিণীম্ ।
সকলতন্ত্রমযীঞ্জগদীশ্বরীং
সুখমযীঞ্জগতাঞ্জননীং ভজে ॥ ১ ॥

সর্বার্থংসাধনকরীন্মহতীমুদারাং
স্বর্গাপবর্গগতিদাং করুণাবতারাম্ ।
সংসারতারণপরাং হৃতপাপভারান্
দুর্গান্নমামি শিরসাহমনন্তসারাম্ ॥ ২ ॥

ইতি শ্রীতন্ত্রদুর্গাসপ্তশতী
বীজনামাবলি সমাপ্ত

পরমদেবী-সূক্তম্

ওঁ অস্য শ্রীপরমদেবতাসূক্তমালামন্ত্রস্য মার্কণ্ডেয
সুমেধাদি-ঋষযঃ। গায়ত্র্যাদিনানাবিধানি ছন্দাংসি।
ত্রিশক্তিরূপিণী চণ্ডিকা দেবতা । ঐং বীজং সৌঃ
শক্তিঃ ক্লীং কীলকং চতুর্বিধপুরুষার্থসিদ্ধ্যর্থৈ জপে
বিনিয়োগঃ ।

ওঁ যোগাঢ্যামরকাযনির্গতমহত্তেজঃ সমুত্পত্তিনী
ভাস্বত্পূর্ণশশাংকচারুবদনা নীলোল্লসদ্ভুলতা ।
গৌরোক্তুংগকুচদ্বযা তদ্বপরি স্ফূর্জপ্রভামগুলা
বন্ধুকারুণকাযকান্তিরবতাচ্ছ্রীচণ্ডিকা সর্বতঃ ॥

ওঁ ঐং হ্রীং শ্রীং হ্ৰেং স্বখ্ৰুং হ্ৰেসাং হ্ৰেসাঃ জয় জয়
মহালক্ষ্মি জগদাধারবীজে সুরাসুরত্রিভুবননিধানে
দযাক্ষুরে সর্বতেজোরূপিণি মহামহামহিমে

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদ্বর্গাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

মহামহারূপিণি মহামহামায়ে মহামায়াস্বরূপিণি
বিরিঞ্চসংস্কৃতে বিধিবরদে চিদানন্দে (বিদ্যানন্দে)
বিষ্ণুদেহাবৃতে মহামোহমোহিনি
মধুকৈটভজিঘাংসিনি নিত্যবরদানতত্পরে
মহাসুধাক্লিবাসিনি মহামহত্তেজোধারিণি সর্বাধারে
সর্বকারণকারণে অচিন্ত্যরূপে
ইন্দ্রাদিনিখিলনির্জরসেবিত্তে সামগানগাযিনি
পূর্ণোদযকারিণি বিজয়ে জয়ন্তি অপরাজিতে
সর্বসুন্দরি রক্তাংশুকে সূর্যকোটিসংকাশে
চন্দ্রকোটিসুশীতলে অগ্নিকোটিদহনশীলে
যমকোটিক্রূরে বায়ুকোটিবহনসুশীলে
ওংকারনাদচিদ্রূপে নিগমাগমমার্গদাযিনি
মহিষাসুরনির্দলনি ধুম্রলোচনবধপরাযণে
চণ্ডমুণ্ডাদিশিরশ্ছেদিনি নিখিলাসুরবলখাদিনি
ত্রিদশরাজ্যদাযিনি সর্বভ্রীত্বরূপিণি দিব্যদেহে
নির্গুণে সদসদ্রূপধারিণি স্কন্দবরদে (সুরবরদে)

ভক্তপ্রাণতত্পরে বরবরদে সহস্রারে দশশতাক্ষরে
অযুতাক্ষরে সপ্তকোটিচামুণ্ডারূপিণি
নবকোটিকাত্যাঘনিরূপিণি অনেকশক্ত্যা
লক্ষ্যালক্ষ্যস্বরূপে ইন্দ্রাণি ব্রহ্মাণি রুদ্রাণি কৌমারি
বৈষ্ণাবি বারাহি শিবদুতি ঈশানি ভীমে ভ্রামরি
নারসিংহি ত্রয়স্বিংশতেকাটিদৈবতে
অনন্তকোটিব্রহ্মাণ্ডনাথিকে
চতুরশীতিলক্ষমুনিজনসংস্কৃতে সপ্তকোটিমন্ত্রস্বরূপে
মহাকালরাত্রিপ্রকাশে কলাকাষ্ঠাদিরূপিণি
চতুর্দশভুবনাবিভবকারিণি গরুডগামিনি ত্রৌঙ্কার
হ্রৌঙ্কার হ্রীঙ্কার শ্রীঙ্কার ক্ষৌঙ্কার জুঙ্কার সৌঙ্কার
ঐঙ্কার ক্লীঙ্কার হ্রীঙ্কার হ্লাঙ্কার হৌঙ্কার নানাবীজমন্ত্র
রাজবিরাজিত সকলসুন্দরীগণসেবিত চরণারবিন্দে
শ্রীমহারাত্রি ত্রিপুরসুন্দরি কামেশদযিতে
করুণারসকল্লোলিনি কল্পবৃক্ষাধঃস্থিতে
চিন্তামণিদ্বীপাদস্থিত-মণিমন্দিরনিবাসে চাপিনি

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

খড়্গিনি চক্রিণি গদিনি শঙ্খিনি পদ্মিনি
নিখিলভৈরবারাধিতে সমস্তযোগিনীচক্রপরিবৃতে
কালি কঙ্কালি তারে তোতুলে সুতারে জ্বালামুখি
ছিন্নমস্তকে ভুবনেশ্বরি ত্রিপুৰে ত্রিলোকজননি
বিষ্ণুবক্ষঃস্থলালঙ্কারিণি অজিতে অমিতে
অপরাজিতে অনৌপমচরিতে
গৰ্ভবাসাদিহঃখাপহারিণি মুক্তিক্ষেত্রাধিষ্ঠাযিনি শিবে
শান্তি কুমারি দেবি দেবীসূক্তসংস্কৃতে মহাকালি
মহালক্ষ্মি মহাসরস্বতি ত্রযীবিগ্রহে প্রসীদ প্রসীদ
সৰ্বমনোরথান্ পুরয পুরয সৰ্বরিষ্টবিঘ্নাংশেছদয ছেদয
সৰ্বগ্রহপীডাজ্বরোগ্রভযঃ বিধবংসয বিধবংসয
সদ্যস্তিভুবনজীবজাতং বশমানয বশমানয
মোক্ষমার্গং দর্শয দর্শয জ্ঞানমার্গং প্রকাশয প্রকাশয
অজ্ঞানতমো নিরসয নিরসয ধনধান্যাভিবৃদ্ধিং কুরু
কুরু সৰ্বকল্যাণানি কল্পয কল্পয মাং রক্ষ রক্ষ মম
বজ্রশরীরং সাধয সাধয ঐং হ্রীং ক্লীং চামুণ্ডায়ৈ বিচে

बीजमन्त्रात्प्रक तन्त्रद्वर्गासप्तशती गुह्यबीजनामावलि

स्वाहा नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ।

परं देव्या इदं सूक्तं यः पठेत्प्रथतो नरः ।

सर्वसिद्धिमवाप्नोति सर्वत्र विजयी भवेत् ॥ १ ॥

संग्रामेषु जपेच्छत्रं मत्तङ्गानिव केसरी ।

वशयेन्निखिलान्लोकान् विशेषेण महीपतीन् ॥ २ ॥

त्रिकालं च पठेन्नित्यं देव्याः सूक्तमिदं परम् ।

तस्यविघ्नाः प्रलीयन्ते ग्रहपीडश्च दारुणाः ॥ ३ ॥

ज्वरादिरोगशमनं परकृत्यानिवारणम् ।

पराभिचारशमनं तीव्रदारिद्र्य नाशनम् ॥ ४ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদ্বর্গাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি
পরকল্যাণনিলয়ং দেব্যাঃ সন্তোষকারকম্।
সহস্রাবৃত্তিতো দেবি মনোরথসিদ্ধিদম্ ॥ ৫ ॥

দ্বিসহস্রাবৃত্তিজপাত্‌সর্বসংকষ্টনাশনম্।
ত্রিসহস্রাবৃত্তিতস্ত বশকৃদ্রাজযোষিতাম্ ॥ ৬ ॥

শতত্রয়ং পঠেদ্যস্ত বর্ষত্রয়মতন্দ্রিতঃ।
স পশ্যেচ্চণ্ডিকাং সাক্ষাদ্‌ বরদানকৃতোদ্যমাম্ ॥ ৭ ॥

ইদং রহস্যং পরমং গোপনীয়ং প্রযত্নতঃ।
ন বাচ্যং কস্যচিদ্‌দেবি নিধানমিব সুন্দরি ॥ ৮ ॥

॥ শ্রীজগদম্বার্পণমস্ত ॥

॥ ইতি পরমদেবী-সূক্তম্ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

অপরাজিতা স্তোত্রম্

ওঁ শুদ্ধস্ফটিক-সংকাশাং চন্দ্রকোটি সুশীতলাম্ ।

অভয়-বরদহস্তাং শুক্লবস্ত্রৈরলংকৃতাম্ ॥

নানাভরণসংযুক্তাং চক্রবাকৈশ্চ বেষ্ঠিতাম্ ।

এবং ধ্যায়েত সমাসীনো য এতামপরাজিতাম্ ॥

ওঁ অস্য অপরাজিতা-মন্ত্রস্য নারদ বেদব্যাস

ঋষিরনুষ্টুপছন্দঃ শ্রীঅপরাজিতা দেবতা লক্ষ্মী বীজং

ভুবনেশ্বরী শক্তির্মম সর্বাভীষ্টসিদ্ধ্যর্থৈ জপে

বিনিয়োগঃ ।

মার্কণ্ডেয় উবাচ

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

শৃগুধ্বং মুনয়ঃ সৰ্বে সৰ্বকামার্থসিদ্ধিদাম্ ।
অসিদ্ধসাধিনীং দেবীং বৈষ্ণবীমপরাজিতাম্ ॥

ওঁ নমো ভগবতে বাসুদেবায় নমোহস্তনস্তায়
সহস্রশীর্ষায় ক্ষীরোদার্গবশাযিনে ।
শেষভোগপর্যংকায গরুডবাহনায় অজায় অজিতায়
অমিতায় অপরাজিতায় পীতবাসসে বাসুদেব শংকৰ্ষণ
প্রহ্মন্ন অনিরুদ্ধ হযগ্রীব মহাবরাহ নরসিংহ বামন
ত্রিবিক্রম রাম রাম শ্রীরাম মত্স্য কুম্ৰ বরপ্রদ নমোহস্ত
তে স্বাহা ।

ওঁ নমোহস্ত তে সুর-দৈত্য-দানব-নাগ-গন্ধৰ্ব-যক্ষ-
রাক্ষস-ভূত-প্ৰেত- পিশাচ-কুম্ৰাণ্ড-সিদ্ধ-যোগিনী-
ডাকিনী-স্কন্দ-পুরোগান্ গ্রহ নক্ষত্রদোষান্
দোষাংশ্চান্যান্ হন হন দহ দহ পচ পচ মথ মথ
বিধ্বংসয বিধ্বংসয বিচূৰ্ণয বিচূৰ্ণয বিদ্রাবয বিদ্রাবয

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

শঙ্খন চক্রেণ বজ্রেণ খণ্ডেন শূলেণ গদযা মুষলেন
হলেন দামোদর ভস্মীকুরু কুরু স্বাহা ।

ওঁ সহস্রবাহো সহস্রপ্রহরণায়ুধ জয় জয় বিজয় বিজয়
অজিত অজিত অমিত অমিত অপরাজিতা অপ্ৰতিহত
সহস্রনেত্র জ্বল জ্বল প্রজ্বল প্রজ্বল বিরূপ বিশ্বরূপ
বহুরূপ মধুসূদন মহাবরাহ অদ্যুত নৃসিংহ মহাপুরুষ
পুরুষোত্তম বৈকুণ্ঠ নারাষণ পদ্মনাভ গোবিন্দ
অনিরুদ্ধ দামোদর হৃষীকেশ কেশব বামন
সর্বসুরোত্সাদন সর্বভূতভয়ংকর সর্বশত্রুপ্রমর্দন
সর্বমন্ত্র-প্রভঞ্জন সর্বরোগ-প্রণাশন সর্বনাগ-প্রমর্দন
সর্বদেব-মহেশ্বর সর্ববন্ধবিমোক্ষণ সর্বাহিত-প্রমর্দন
সর্বহিংস্রপ্রদমন সর্বজরপ্রণাশন সর্বগ্রহ-নিবারণ
সর্বপাপপ্রমর্দন ডাকিনীবিধ্বংসন সর্বদুঃস্বপ্ননাশন
জনাদর্শন নমোহস্তু তে স্বাহা ।

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

য ঙ্গমামপরাজিতাং পরমবৈষ্ণবীং পঠতি বিদ্যাং স্মরতি
সিদ্ধাং মহাবিদ্যাং জপতি পঠতি শৃণোতি স্মারযতি
ধারণতি কীৰ্ত্তয়তি বাচযতি বা গৃহীত্বা হস্তে পথি
গচ্ছতি বা ভক্ত্যা লিখিত্বা গৃহে স্থাপযতি বা তস্য
নাগ্নি-বায়ু-বজ্রো-পলাহশনিভযং ন বর্ষভযং ন শত্রুভযং
ন চোরভযং ন সর্পভযং ন স্বাপদভযং ন সমুদ্রভযং ন
রাজভযং বা ভবেত্ ।

ন তস্য রাত্র্যন্ধকার-স্ত্রী-রাজকূল-বিষোপবিষ গরদ-
দহন-বশীকরণবিদ্বেষণোচ্চাটন-বধ-বন্ধনভযং বা
ভবেত্ ।

ঐভির্মন্ত্রৈরুদাহৃতৈঃ সিদ্ধৈঃ সংসিদ্ধপূজিতৈঃ ॥

তদ্যথা ।

ওঁ নমস্তেহস্ত অভযে অনঘে অজিতে অমিতে অপরে
অপরাজিতে পঠতি সিদ্ধে বিদ্যে স্মরতি সিদ্ধে

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

মহাবিদ্যে ঐকানংশে উমে ধ্রুবে অরুন্ধতি সাবিত্রি
গায়ত্রি জাতবেদসি মানস্তোকে সরস্বতি ধমণি ধামণি
রমণি রামণি ধরণি ধারণি সৌদামিনি অদিতি দিতি
বিনতে গৌরি গান্ধারি শবরি কিরাতিনি মাতংগি কৃষ্ণে
যষোদে সত্যবাদিনি ব্রহ্মবাদিনি কালি কপালিনি
করালিনি করালনেত্রে ভীমনাদিনী বিকরালনেত্রে
সদ্যোপচযকরি মাতঃ সর্বযাচনবরদে শুভদে অর্থদে
সাধিনি অপমৃত্যুং নাশয নাশয পাপং হর হর জলগতং
স্থলগতং অন্তরীক্ষগতং মাং রক্ষ রক্ষ
সর্বভূতসর্বোপদ্রবেভ্যঃ স্বাহা ।

যস্যাঃ প্রণশ্যতে পুষ্পং গর্ভো বা পততে যদি ।
শ্রিয়ন্তে বালকাঃ যস্যাঃ কাকবক্ষ্যা চ যা ভবেত্ ॥

ভূর্জপত্রে ত্বিমাং বিদ্যাং লিখিত্বা ধারযেত্ সদা ।
ঐভিদৌষৈর্ন লিপ্যেত শুভগা পুত্রিণী ভবেত্ ॥

बीजमन्त्रात्प्रक तन्त्रद्वर्गासप्तशती गृह्यबीजनामावलि

भूर्जपत्रे कुङ्कुमेन लिखित्वा धारयेत्तु यः ।
रणे राजकुले द्युते संग्रामे रिपुसङ्कुले ॥

अग्निचौरभये घोरे नित्यं तस्य जयो भवेत् ।
शस्त्रं वारयत्येषा समये काण्डधारिणी ॥

गुल्म-शूलान्फिरोगाणां फ्लिप्रं नाशयते व्यथाम् ।
शिरोरोगज्वराणां नाशिनीं सर्वदेहिनाम् ॥

तद्यथा ।

ঐকাহিক-দ্যাহিক-ত্র্যাহিক-চাতুর্থিক-মাসিক-
দ্বৈমাসিক-ত্রৈমাসিক-চাতুর্মাসিক-ষাণ্মাসিক-
মৌহুর্ভিক-বাতিক-পৈত্তিক-শ্লেষ্মিক-সান্নিপাতিক-জ্বর
সততজ্বর-সন্তত-জ্বর বিষমজ্বর-
গ্রহনক্ষত্রদোষাংশ্চান্যান্ হর হর কালি শর শর গৌরি
ধম ধম বিদ্যে আলে মালে তালে বন্ধে পচ পচ বিদ্যে

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

মথ মথ বিদ্যে নাশয নাশয পাপং হর হর ছঃস্বপ্নং
বিধ্বংসয বিধ্বংসয বিঘ্নবিনাশিনি রজনী সঙ্কেত
ছন্দুভিনাদে মানস্তোকে মানসবেগে শক্তিগি চক্রিগি
বজ্রিগি গদিনী শূলিনী অপমৃত্যু-বিনাশিনি বিশ্বেশ্বরী
দ্রবিটি দ্রাবিটি কেশবদযিতে পশুপতিসহিতে
ছঃখছরন্তে ছন্দুভিনাদিনি ভীমমর্দিনী দমনি দামিনী
শবরী কিরাতি মাতংগী মাহেশ্বরী ইন্দ্রাগি ব্রহ্মাগি
বারাহি মাহেন্দ্রী কৌমারী চণ্ডি চামুণ্ডে নমোহস্ত তে ।

ওঁ হ্রাঁ হ্রীঁ হ্রুঁ হ্রৈঁ হ্রৌঁ হ্রঃ তুরু তুরু স্বাহা ।

যে মাং দ্বিষন্তি প্রত্যক্ষং পরোক্ষং বা তান্ সর্বান্ হন
হন দহ দহ পচ পচ মর্দয মর্দয তাপয তাপয শোষয
শোষয উত্‌সাদয উত্‌সাদয ব্রহ্মাগি বৈষ্ণবি মাহেশ্বরী
বারাহি কৌমারী বৈনায়কী ঐন্দ্রী আগ্নেয়ী চণ্ডি চামুণ্ডে
বারুণী বায়বী সর্বকামফলপ্রদে রক্ষ রক্ষ

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

প্রচণ্ডবিদ্যে ইন্দ্রোপেন্দ্র-ভগিনি জযে বিজযে শান্তি
পুষ্টি-তুষ্টি-কীৰ্ত্তিবিবন্ধিনি কামাংকুশে কামদ্বযে
সর্বকামবরপ্রদে সর্বভূতেষু মাং প্রিয়ং কুরু কুরু স্বাহা।

ওঁ হ্রীঁ হ্রীঁ হ্রঁ হ্রঃ ।

ওঁ আকর্ষিণি আবেশিনি জ্বালামালিনি রমণি রামণি
ধমনি ধামনি তপনি তাপনি মাদনোন্মাদিনি
সংশোষিণি মহাকালি নীলপতাকে মহারাত্রি
মহাগৌরি মহামাযে মহাশ্রযে মহাচান্দ্রি মহাশৌরি
মহাময়ুরি আদিত্যরশ্মি জাহ্নবি যমঘণ্টে ।

ওঁ আং কিলিকিলি চিন্তামণি সুরভি-সুরোত্পন্নে
সর্বকামদ্বযে যথাভিলাষিতং কার্যং তন্মে সিধ্যতু
স্বাহা ।

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

ওঁ আদিতে স্বাহা ওঁ অপরাজিতে স্বাহা

ওঁ ভূঃ স্বাহা ওঁ ভুবঃ স্বাহা ওঁ স্বঃ স্বাহা

ওঁ ভূভুবঃ স্বঃ স্বাহা ।

যত এবাগতং পাপং তত্রৈব প্রতিগচ্ছতু স্বাহা ।

ওঁ বলে বলে মহাবলে অসিদ্ধসাধিনি স্বাহা ॥

॥ ওঁ ইতি বিষ্ণুধর্মোত্তরে তৃতীযকাণ্ডে ত্রৈলোক্য-
বিজয়া-নামাপরাজিতা-স্তোত্রং সমাপ্তম্ ওঁ ॥

बीजमन्त्रात्क तन्त्रदर्गासप्तशती गुह्यबीजनामावलि

श्रीकुण्डिकासोत्रम्

श्री गणेशाय नमः

ॐ अस्य श्रीकुण्डिकासोत्रमन्त्रस्य सदाशिव ऋषिः
अनुष्टुप् छन्दः श्रीत्रिगुणात्मिका देवता ॐ ऐं बीजं
ॐ ह्रीं शक्तिः ॐ क्लीं कीलकं मम सर्वातीष्टसिद्ध्यर्थे
जपे विनियोगः ।

शिव उवाच

शृणु देवि प्रवक्ष्यामि कुण्डिकासोत्रमुत्तमम् ।
येन मन्त्रप्रभावेण चण्डीजापः शुभो भवेत् ॥ १ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদুর্গাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

ন কবচং নাৰ্গলাস্তোত্রং কীলকং ন রহস্যকম্ ।
ন সূক্তং নাপি বা ধ্যানং ন ন্যাসো ন বাৰ্চনম্ ॥ ২ ॥

কুঞ্জিকা পাঠমাত্রেণ দুর্গাপাঠফলং লভেত্ ।
অতিগুহ্যতরং দেবি দেবানামপি দুর্লভম্ ॥ ৩ ॥

গোপনীয়ং প্রযত্নেন স্বয়োনিরিব পার্বতি ।
মারণং মোহনং বশ্যং স্তম্ভনোচ্চাটনাদিকম্ ॥ ৪ ॥

পাঠমাত্রেণ সংসিদ্ধ্যেত্ কুঞ্জিকাস্তোত্রমুক্তমম্ ।
ওঁ শ্ৰং শ্ৰং শ্ৰং শং ফট্ ঐং হ্রীং ক্লীং জ্বল উজ্জ্বল
প্রজ্বল হ্রীং হ্রীং ক্লীং জ্ববয শ্রাবয শাপং নাশয নাশয
শ্রীং শ্রীং শ্রীং জুং সঃ শ্রাবয আদয স্বাহা ॥ ৫ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

ওঁ শ্লীং হ্রং ক্লীং গ্ল্যাং জুং সঃ জ্বল উজ্জ্বল মন্ত্রং প্রজ্বল
হং সং লং ক্ষং ফট্ স্বাহা ।

নমস্তে রুদ্ররূপায়ৈ নমস্তে মধুমর্দিনি ॥ ৬ ॥

নমস্তে কৈটভনাশিন্যৈ নমস্তে মহিষাদিনি ।

নমস্তে শুভ্রহন্যৈ চ নিশুম্বাসুরসূদিনি ॥ ৭ ॥

নমস্তে জাগ্রতে দেবি জপে সিদ্ধিং কুরুষু মে ।

ঐক্ষারী সৃষ্টিরূপিন্যৈ হ্রীক্ষারী প্রতিপালিকা ॥ ৮ ॥

ক্লীং কালী কালরূপিন্যৈ বীজরূপে নমোহস্ত তে ।

চামুণ্ডা চণ্ডরূপা চ যৈক্ষারী বরদাযিনী ॥ ৯ ॥

বিচ্ছে ভ্রভষদা নিত্যং নমস্তে মন্ত্ররূপিণি ।

ধাং ধীং ধুং ধূর্জটেঃ পত্নী বাং বীং বাগীশ্বরী তথা

॥ ১০ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গৃহ্যবীজনামাবলি

ক্রাং ক্রীং ক্রুং কুঞ্জিকা দেবি শ্রাং শ্রীং শ্রুং মে শুভং
কুরু ।

হ্রং হ্রং হ্রঙ্কাররূপিণ্যে জ্রাং জ্রীং জ্রুং ভালনাদিনী

॥ ১১ ॥

ভ্রাং ভ্রীং ভ্রুং ভৈরবী ভদ্রে ভবান্যে তে নমো নমঃ ।

ওঁ অং কং চং টং তং পং সাং বিদ্বরাং বিদ্বরাং বিমর্দয়
বিমর্দয় হ্রীং ক্ষাং ক্ষীং স্রীং জীবয় জীবয় ত্রোটয় ত্রোটয়
জম্ভয় জম্ভয় দীপয় দীপয় মোচয় মোচয় হ্রং ফট্ জ্রাং
বৌষট্ ঐং হ্রীং ক্লীং রঞ্জয় রঞ্জয় সঞ্জয় সঞ্জয় গুঞ্জয়
গুঞ্জয় বন্ধয় বন্ধয় ভ্রাং ভ্রীং ভ্রুং ভৈরবী ভদ্রে সঙ্কুচ
সঙ্কুচ ত্রোটয় ত্রোটয় স্লীং স্বাহা ॥ ১২ ॥

পাং পীং পুং পার্বতী পূর্ণা খাং খীং খুং খেচরী তথা ।

ম্লাং ম্লীং ম্লুং মূলবস্তীর্ণা কুঞ্জিকাস্তোত্রহেতবে ॥ ১৩ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

অভক্তায় ন দাতব্যং গোপিতং রক্ষ পাবতি ।

বিহীনা কুঞ্জিকাদেব্যা যন্তু সপ্তশতীং পঠেত্ ॥ ১৪ ॥

ন তস্য জায়তে সিদ্ধির্হ্যরণ্যে রুদিতং যথা ॥ ১৫ ॥

॥ ইতি শ্রীডামরতন্ত্রে ঈশ্বরপার্বতীসংবাদে
কুঞ্জিকাস্তোত্রং সম্পূর্ণম্ ॥

দেবিপুষ্পাঞ্জলীস্তোত্রম্

অযি গিরিনন্দিনি নন্দিতমেদিনি বিশ্ববিনোদিনি
নন্দিনুতে

গিরিবরবিন্ধ্যশিরোহধিনিবাসিনি বিষ্ণুবিলাসিনি
জিষ্ণুতে।

ভগবতি হে শিতিকণ্ঠকুটুম্বিনি ভূরিকুটুম্বিনি ভূতিকৃতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে

॥ ১ ॥

সুরবরবর্ষিণি দুর্ধরধর্ষিণি দুর্মুখমর্ষিণি হর্ষরতে
ত্রিভুবনপোষিণি শঙ্করতোষিণি কলুষমোষিণি
ঘোষরতে ।

দনুজনিরোষিণি দুর্মদশোষিণি দুর্মনিরোষিণি
সিন্ধুসুতে

জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে

॥ ২ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

অযি জগদম্ব কদম্ববন প্রিয়বাসিনি তোষিণি হাসরতে
শিখরিশিরোমণিতুঙ্গ হিমালযশৃঙ্গনিজালযমধ্যগতে ।
মধুমধুরে মধুকৈটভগঞ্জিণি মহিষবিদারিণি রাসরতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ৩ ॥

অযি নিজহঁকৃতিমাত্রনিরাকৃতধুম্ববিলোচনধুম্বশতে
সমরবিশোষিতরোষিতশোণিতবীজসমুদ্ভববীজলতে ।
শিবশিবশুম্ভনিশুম্ভমহাহবতর্পিতভূতপিশাচরতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ৪ ॥

অযি শতখণ্ডবিখণ্ডিতরুণ্ডবিতুণ্ডিতশুণ্ডগজাধিপতে
নিজভুজদণ্ডনিপাতিতচণ্ডবিপাটিতমুণ্ডভটাধিপতে ।
রিপুগজগণ্ডবিদারণচণ্ডপরাক্রমশৌণ্ডমৃগাধিপতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ৫ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

ধনুরনুষঙ্গ রনক্ষগঙ্গ পরিষ্কুরদঙ্গনটকটকে
কনকপিঙ্গপুষ্পত্কনিষঙ্গরসদ্রুটশৃঙ্গহতাবটুকে ।
হতচতুরঙ্গবলক্ষিতিরঙ্গঘটদ্বহরঙ্গরটদ্বটুকে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ৬ ॥

অষি রঙ্গছর্মদশত্রুবধাঙ্কুরছর্ধরনিভর্শক্তিভূতে
চতুরবিচারধুরীগমহাশযদুতকৃতপ্রমথাধিপতে ।
ছরিতছরীহছরাশযছর্মতিদানবদুতছরন্তগতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ৭ ॥

অষি শরগাগতবৈরিবধুজনবীরবরাভযদাযিকরে
ত্রিভুবনমস্তকশূলবিরোধিশিরোধিকৃতামলশূলকরে ।
ছমিছমিতামরছন্দুভিনাদমুহ্মুখরীকৃতদিগ্নিকরে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ৮ ॥

সুরললনাততথেষিতথেষিতথাভিনযোত্তরনৃত্যরতে
কৃতকুকুথাকুকুখোদিডদাডিকতালকুতুহলগানরতে ।
ধুধুকুটধুধুটধিন্ধিমিতধনিধিরমৃদঙ্গনিনাদরতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ৯ ॥

জয় জয় জাপ্যজযে জয়শব্দপরস্তুতিতত্পরবিশ্বনুতে
ঝগঝগঝিংঝিমঝিংকৃতনুপুরশিঞ্জিতমোহিতভূতপতে ।
নটিতনটার্ধনটীনটনাযকনাটননাটিতনট্যরতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ১০ ॥

অষি সুমনঃসুমনঃসুমনঃসুমনঃসুমনোরমকান্তিযুতে
শ্রিতরজনীরজনীরজনীরজনীরজনীরজনীরকরবক্রভূতে ।
সুনযনবিভ্রমরভ্রমরভ্রমরভ্রমরভ্রমরাভিদৃতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ১১ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসুশ্রী গুহ্যবীজনামাবলি

মহিতমহাহবমল্লমতল্লিকবল্লিতরল্লিতভল্লিরতে
বিরচিতবল্লিকপালিকপল্লিকঝিল্লিকভিল্লিকবর্গবৃতে ।
শ্রুতকৃতপুল্লসমুল্লসিতারুণতল্লজপল্লবসল্ললিতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ১২ ॥

অযি সুদতীজনলালসমানসমোহনমনুখরাজসুতে
অবিরলগগুগলনুদমেছরমত্তমত্তঙ্গজরাজগতে ।
ত্রিভুবনভুষণভূতকলানিধিরূপপযোনিধিরাজসুতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ১৩ ॥

কমলদলামলকোমলকান্তিকলাকলিতামলভালতলে
সকলবিলাসকলানিলযক্রমকেলিচলত্কলহংসকুলে ।
অলিকুলসঙ্কুলকুন্তলমগুলমৌলিমিলদ্বকুলালিকুলে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ১৪ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

করমুরলীরববীর্জিতকূজিতলজ্জিতকোকিলমঞ্জুমতে
মিলিতমিলিন্দমনোহরগুঞ্জিতরঞ্জিতশৈলনিকুঞ্জগতে ।
নিজগগভূতমহাশবরীগগরঙ্গসম্ভূতকেলিরতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ১৫ ॥

কটিতটপীতদ্বকূলবিচিত্রমযুখতিরস্কৃতচগুরুচে
জিতকনকাচলমৌলিমদোর্জিত গর্জিতকুঞ্জরকুম্ভকুচে ।
প্রণতসুরাহসুরমৌলিমণিস্কুরদংশুলসন্নখচন্দ্ররুচে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ১৬ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদ্বর্গাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

বিজিতসহস্রকরৈকসহস্রকরৈকসহস্রকরৈকনুতে
কৃতসুরতারকসঙ্গরতারকসঙ্গরতারকসুনুতে ।
সুরথসমাধিসমানসমাধিসমান সমাধিসুজাপ্যরতে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ১৭ ॥

পদকমলং করুণানিলয়ে বরিবস্যতি যোহনুদিনং
সুশিবে
অযি কমলে কমলানিলয়ে কমলানিলযঃ স কথং ন
ভবেত্ ।
তব পদমেব পরং পদমঙ্কিতি শীলযতো মম কিং ন
শিবে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ১৮ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

কনকলসত্‌কলশীকজলৈরনুষ্টিতি তেহঙ্গরংগভুবম্
ভজতি স কিং ন শচীকুচকুম্ভনটীপরিরম্ভসুখানুভবম্ ।

তব চরণং শরণং করবাণি সুবাণি পথং মম দেহি

শিবম্

জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে

॥ ১৯ ॥

তব বিমলেন্দুকুলং বদনেন্দুমলং কলযন্নুকুলযতে

কিমু পুরুহৃতপুরীন্দুমুখীসুমুখীভিরসৌ বিমুখীক্রিয়তে

।

মম তু মতং শিবমানধনে ভবতী কৃপয়া কিমু ন

ক্রিয়তে

জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে

॥ ২০ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

অযি মযি দীনদযালুতযা কৃপযৈব ত্বযা ভবিতব্যমুমে
অযি জগতো জননীতি যথাহসি মযাহসি
তথাহনুমতাসি রমে
যদ্বচিতমত্র ভবত্পুরগং কুরু শাস্ত্রবি দেবি দযাং কুরু
মে
জয় জয় হে মহিষাসুরমর্দিনি রম্যকপর্দিনি শৈলসুতে
॥ ২১ ॥

স্তুতিমিমাং স্তিমিতঃ সুসসমাধিনা
নিষমতো যমতোহনুদিনং পঠেত্ ।
পরমযা রমযা স নিষেব্যতে
পরিজনোহরিজনোহপি চ তং ভজেত্ ॥ ২২ ॥

॥ ইতি দেবিপুষ্পাঞ্জলিস্তোত্রং সমাপ্তম্ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

চণ্ডী মাঁ কী আরতী

জয় চণ্ডী জয় জয় (মাঁ) জয় চণ্ডী জয় জয়
ভয়হারিণি ভবতারিণি ভবভামিনি জয় জয়
ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয়

তু হী সত-চিত-সুখময় শুদ্ধ ব্রহ্মরূপা (মাঁ)
সত্য সনাতন সুন্দর পর-শিব সুর-ভূপা
ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ১ ॥

আদি অনাদি অনাময় অবিচল অবিনাশী (মাঁ)
অমল অনন্ত অগোচর অজ আনন্দরাশী
ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ২ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদুর্গাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

অবিকারী অঘহারী অকল কলাধারী (মাঁ)
কর্তা বিধি ভর্তা হরি হর সংহরকারী
ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ৩ ॥

তু বিধি বধু রমা তু উমা মহামায়া (মাঁ)
মূলপ্রকৃতি বিদ্যা তু তু জননী জায়া
ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ৪ ॥

রাম কৃষ্ণ তু সীতা ব্রজরানী রাধা (মাঁ)
তু বাণ্ডাকল্পদ্রুম হারিণি সব বাধা
ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ৫ ॥

দশ বিদ্যা নব দুর্গা নানাশঙ্করী (মাঁ)
অষ্টমাতৃকা যোগিণি নব নব রূপ ধরা
ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ৬ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

তু পরধামনিবাসিনি মহাবিলাসিনি তু (মাঁ)

তু হী শ্মশানবিহারিণি তাণ্ডবলাসিনি তু

ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ৭ ॥

সুর মুনি মোহিনি সৌম্যা তু শোভাহংধারা (মাঁ)

বিবসনবিকট-সরুপা প্রলয়ময়ী ধারা

ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ৮ ॥

তু হী স্নেহ-সুধাময়ি তু অতি গরলমনা (মাঁ)

রত্নবিভূষিত তু হী তু হী অস্থি তনা

ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ৯ ॥

মুলাধারনিবাসিনি ইহ পর সিদ্ধি প্রদে (মাঁ)

কালাতীতা কালী কমল তু বরদে

ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ১০ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদর্শাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

শক্তি শক্তি ধর তু হী নিত্য অভেদময়ী (মাঁ)

ভেদপ্রদর্শিনি বাণী বিমলে বেদত্রয়ী

ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ১১ ॥

হম্ অতি দীন দুখী (মাঁ) বিপত্-জাল ঘেরে (মাঁ)

হৈং কপুত্ অতি কপটী পর বালক তেরে

ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ১২ ॥

নিজ স্বভাববশ জননী দয়া দৃষ্টি কীজৈ (মাঁ)

করুণা কর করুণাময়ি চরণ-শরণ দীজৈ

ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয় ॥ ১৩ ॥

জয় চণ্ডী জয় জয় (মাঁ) জয় চণ্ডী জয় জয়

ভষহারিণি ভবতারিণি ভবভামিনি জয় জয়

ওঁ জয় চণ্ডী জয় জয়

দেবীময়ী

তব চ কা কিল ন স্তুতিরশ্বিকে
সকলশব্দময়ীকিল তে তনুঃ ।
নিখিলমূর্তিষু মে ভবদন্বয়ো
মনসিজাসু বহিঃপ্রসরাসু চ ॥

ইতি বিচিন্ত্য শিবে শমিতাশিবে
জগতি জাতময়ত্ববশাদিদম্ ।
স্তুতিজপার্চনচিন্তনবর্জিতা
ন খলু কাচন কালকলাস্তি মে ॥

ভগবতীস্ততিঃ

প্রাতঃ স্মরামি শরদিন্দুকরোজ্জ্বলাভাং
সদ্রত্নবনুকরকুণ্ডলহারভুষাম্ ।
দিব্যায়ুধোজিতসুনীলসহস্রহস্তাং
রক্তোত্পলাভচরণাং ভবতীং পরেশাম্ ॥

প্রাতর্নামামি মহিষাসুরচণ্ডমুণ্ড-
শুস্ত্রাসুরপ্রমুখদৈত্যবিনাশদক্ষাম্ ।
ব্রহ্মেন্দ্ররুদ্রমুনিমোহনশীললীলাং
চণ্ডীং সমস্তসুরমূর্তিমনেকরূপাম্ ॥

প্রাতর্ভজামি ভজতামভিলাষদাত্রীং
ধাত্রীং সমস্তজগতাং ছরিতাপহন্ত্রীম্ ।
সংসারবন্ধনবিমোচনহেতুভূতাং
মায়াং পরাং সমধিগম্য পরস্য বিষ্ণোঃ ॥

প্রণামঃ

ওঁ দুর্গাং শিবাং শান্তিকরীং ব্রহ্মাণীং ব্রহ্মাণঃ প্রিয়াং ।
সর্বলোক প্রণেত্রীঞ্চ প্রণমামি সদা শিবাম্ ॥

মঙ্গলাং শোভনাং শুদ্ধাং নিষ্কলাং পরমাং কলাম্ ।
বিশ্বেশ্বরীং বিশ্বমাতাং চণ্ডিকাং প্রণমাম্যহম্ ॥

সর্বদেবময়ীং দেবীং সর্বরোগভয়াপহাম্ ।
ব্রহ্মেশবিষ্ণুনমিতাং প্রণমামি সদাশিবাং ॥

বিন্ধ্যস্থাং বিন্ধ্যনিলয়াং দিব্যস্থাননিবাসিনীম্ ।
যোগিনীং যোগজননীং চণ্ডিকাং প্রণমাম্যহম্ ॥

ঈশানমাতরং দেবীমীশ্বরীমীশ্বরপ্রিয়াম্ ।
প্রণতোহস্মি সদাদুর্গাং সংসারার্ণবতারিণীম্ ॥

বীজমন্ত্রাত্মক তন্ত্রদ্বর্গাসপ্তশতী গুহ্যবীজনামাবলি

ওঁ মহাদেব মহাত্রাণ মহাযোগি মহেশ্বর ।

সর্বপাপহরাং দেব মকারায় নমো নমঃ ॥

ওঁ নমঃ শিবায শান্তায় কারণত্রয় হেতবে ।

নিবেদয়ামি চাত্মানং ত্বং গতিঃ পরমেশ্বর ॥

॥ ইতি সংস্কৃতম্ বীজমন্ত্রাত্মক

তন্ত্রদ্বর্গাসপ্তশতী সম্পূর্ণম্ ॥